आओ पधारो मोहन म्हारी नगरिया

कहे थाने मोहन-कहे थाने मोहन,
राधा गुजरिया, आओ पधारो
मोहन म्हारी नगरिया-२
जब से मोहन हम ना मिले हैं,

गोकुल में नहीं फूल खिले हैं-२
सूनी पड़ी म्हारी गोकूल नगरिया,
उजड़ गयी है म्हारी
बीरज नगरिया।।१।। आओ पधारो...

भूल गए कान्हा हमें,हम तो
ना भूले, कदम्ब की
डाळी सूने हैं झूले-२बाजे

बन्सी ना बाजे रे पायलिया,
ना खणके झांझर ना,
गूंजे रे मुरलिया।।२।।आओ पधारो...

जमुना के तट पर
बैठी मै अकेली, कोई नहीं
है म्हारे संग में सहेली-२

रीती पड़ी है म्हारी पाणी
की गगरिया, अंसुअन से
म्हारी भीगी रे चुनरिया।।३।।आओ पधारो...

दूध की हांडी कान्हा चूल्हे
चढ़ी है, माखन की मटकी
कान्हा छीके धरी है-२

बाट उड़ीकें थारी,
बीरज गुजरिया,
थां बिन कोई ना
फोड़े दही की मटकिया।।४।। आओ पधारो...

विनती सुणो म्हारी
गिरवर धारी, "लक्ष्मी
देवी" शरण है थारी-२

चरणां में थारे म्हारी
वीते रे उमरिया, पार लगाओ
नैया, भव से कन्हैया।।५।। आओ पधारो....

कहे थाने मोहन-कहे
थाने मोहन, राधा गुजरिया,
आओ पधारो मोहन

म्हारी नगरिया-२ भजन
रचयिता-विजेन्द्र शर्मा "बिन्दाजी"

Source: https://www.bharattemples.com/aao-padharo-mohan-mhari-nagariya/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw